महत्वपूर्ण एवं खास

प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में इजाफा होते ही मुनाफाखोरी शुरु

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में एक बार फिर दुकानदार कोरोना के बढ़ते मामलों को देखकर पान मसाला सहित अन्य सामानों की जमा खोरी व दाम में बढ़ोत्तरी करना शुरु कर दिये है। ज्ञातव्य हो कि राज्य सरकार ने कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए दुकान खोलने व बंद करने का समय निर्धारित करने की जिम्मेदारी जिला कलेक्टरों को सौंपी है। कोरोना के मामलों में इजाफे को देखते हुए जमाखोर व्यापारियों पर जिला प्रशासन का नियंत्रण विशेषकर खाद्य विभाग नियंत्रण नही होने के कारण आम जनता अधिकतम मूल्यों पर सामान खरीदने पर मजबूर है। मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान समय में खाद्य तेल,मसाला,मनिहारी सामान सहित पान मसाला आदि की आवाजाही में राज्य की सीमाओं में किसी प्रकार की रोक नही है। सामान्य दिनों की तरह ही व्यापारियों को विभिन्न सामाग्री की पूर्ति निर्वाध गति से जारी है। ऐसी स्थिति में कृत्रिम सामानों की कमी पैदा कर मुनाफाखोरी करने वाले व्यापारियों के खिलाफ उपभोक्ताओं ने संबंधित जिलों के कलेक्टरों को मुख्यमंत्री द्वारा दोषी पाये जाने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

महिला डॉक्टर व आरक्षक के क्रेडिट कार्ड से लाखों की ठगी, मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी में दो लोगों के क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 70 हजा रुपये ऑनलाईन ट्रांजेक्शन कर लेने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के मुताबिक राजेन्द्रनगर निवासी रक्षित केन्द्र आरक्षक के एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड से नवंबर माह में किसी ने 20224 रुपये का ट्रांजेक्शन कर लिया। बिल आने पर पीड़ित 6 जनवरी को राजेन्द्रनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसी तरह सरस्वती नगर में एक महिला डाक्टर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 5 जनवरी को उसके मोबाइल पर कॉल करके एक व्यक्ति ने स्वयं को एसबीआई बैंक का अधिकारी बता उसे क्रेडिट कार्ड पर रिवर्ड पवाईन्ट देने का झांसा दिया। आरोपी ने क्रेडिट कार्ड का ओटीपी नंबर पूछा संदेह होने पर उसने ओटीपी नंबर नही बताया। इसके बावजूद भी कुछ ही देर में 1 लाख 50 हजार रुपये उसके खाते से ट्रांजेक्शन होने का मैसेज मोबाइल पर आ गया। पीड़िता ने तत्काल कार्ड ब्लाक करा मामले की रिपोर्ट सरस्वती नगर थाने में दर्ज करा साइबर सेल में इसकी जानकारी दी । पुलिस दोनों मामले में रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

बंगाल की खाड़ी में निम्नदाब बनने से एक दो स्थानों में होगी हल्की वर्षा

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में हवाओं के दिशा दक्षिण-पूर्व हो चुका है । पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से एक चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण पश्चिम राजस्थान और उससे लगे पाकिस्तान के उपर स्थित है । प्रदेश में बंगाल के खाडी से कुछ नमी युक्त अपेक्षाकृत गरम हवा आ रही है। प्रदेश में दिनांक 08 जनवरी को मौसम शुष्क रहने की संभावना है तथा आकाश मुख्यतः साफ रहने की सम्भावना है । अधिकतम तापमान औल न्युनतम तापमान में काफी वृद्धि हो चुका है इसलिए इन दोनों तापमानों में विशेष परिवर्तन नहीं होने की सम्भावना है।

सभी के संयुक्त प्रयास से कोविड संक्रमण होगा नियंत्रित-डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम

» प्रभारी मंत्री ने की जिले में कोविड से निपटने की गयी तैयारियों की समीक्षा

» उपचार की समुचित व्यवस्था के साथ ही कोविड प्रोटोकाल्स के पालन पर दिया जोर

रायगढ़ । जिले के प्रभारी मंत्री डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में कोविड से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक तैयारियों के साथ सभी वर्गों के सहयोग से संक्रमण को नियंत्रित करने में हम सफल होंगे। रायगढ़ औद्योगिक जिला होने के कारण यहां बाहरी लोगों का काफी आना-जाना लगा रहता है। इसको लेकर विशेष सतर्कता बरतते हुए सभी प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाए। विदेशों से आने वाले लोगों की अनिवार्य रूप से जांच करवायें तथा उन्हें आईसोलेट करें। सार्वजनिक स्थानों और दुकानों पर मास्क के उपयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधात्मक आदेश जारी होने पर जमाखोरी और मुनाफाखोरी की आशंका होती है। इसको लेकर भी पूरी प्रशासनिक सख्ती बरती जाए ताकि लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो। वर्चुअली आयोजित इस समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, विधायक रायगढ़ प्रकाश नायक, विधायक धरमजयगढ़ लालजीत सिंह राठिया, विधायक सारंगढ़ श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े, विधायक लैलूंगा चक्रधर सिंह सिदार व जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल शामिल हुए। इसके साथ ही विभिन्न एनजीओ व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

कलेक्टर भीम सिंह ने इस दौरान जिले में टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ऑक्सीजन व आईसीयू बेड, ऑक्सीजन की उपलब्धता, मेडिकल उपकरण व मैन पॉवर की व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज में कोविड वार्ड बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी कोविड और आइसोलेशन वार्ड तैयार किये गए हैं साथ ही यहां ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए पाइप लाइन के साथ ऑक्सीजन प्लांट्स भी लगाए गए हैं। निजी अस्पतालों को भी पिछली बार की तरह कोविड वार्ड तैयार करवा कर उन्हें अलर्ट मोड में रखा गया है। जिले में उपचार के लिए समुचित व्यवस्था तैयार कर ली गयी है। साथ ही संक्रमण के नियंत्रण के लिये धारा 144 लागू की गई है और विभिन्न प्रतिबंधात्मक निर्देश भी जारी किए गए हैं। मरीजों का चिन्हांकन कर वार्ड वॉर और ग्राम वॉर क्लस्टर की पहचान की जा रही है ताकि कन्टेनमेंट नियमों का कड़ाई से पालन हो और संक्रमण प्रसार को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने बताया कि उद्योगों और चेम्बर ऑफ कॉमर्स की भी पिछले दिनों बैठक लेकर प्रोटोकॉल के पालन के निर्देश दिये गए हैं। बॉर्डर और रेलवे स्टेशन पर भी चेकिंग जारी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। इसी के साथ जिले में हो रहे टीकाकरण अभियान की भी कलेक्टर सिंह ने बैठक में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले में लक्ष्य अनुसार दोनों डोज टीकाकरण का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसके साथ ही 15 से 18 वर्ष के किशोरों का टीकाकरण भी पूरी तेजी से जिले में करवाया जा रहा है। इसके लिए स्कूलों में विशेष वैक्सीनेशन कैम्प लगाए जा रहे है। पिछले 40 हजार से अधिक बच्चों का टीकाकरण पूरा किया जा चुका है।

इस दौरान संयुक्त कलेक्टर डिगेश पटेल, सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केसरी, मेडिकल कालेज अधीक्षक डॉ.मनोज मिंज, डॉ.एस.टोप्पो, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य, महिला बाल विकास अधिकारी टी.के.जाटवर, ईई पीडब्लूडी खाम्बरा, जीएम डीआईसी एस.के.राठौर, एडीसी संजय राजपूत, सुशील मित्तल, बिजयनी जेना, रमाकांत बरेठ, मुकेश कुमार, प्रवीण गुप्ता, कन्हैया दास सहित निजी अस्पतालों से डॉ.मनोज गोयल, डॉ.अंकित गुप्ता, डॉ.साहू, डॉ.मनोज पटेल सहित उद्योगों से प्रतिनिधि मौजूद रहे।

रेशम के धागे निकाल कमला बुन रही अपने बच्चों की शिक्षा का ताना-बाना

रायगढ़ । कहते है कि मन में इच्छा व लगन हो तो रास्ते खुद ब खुद निकल जाते है और सच्ची मेहनत ही उसको कामयाबी की ओर लेकर जाता है। इस वाक्य को सच कर दिखाई रायगढ़ विकासखण्ड के ग्राम-बेलरिया की श्रीमती कमला साव ने, जो कि घर के प्रतिदिन के कामकाज निपटाने के बाद शेष बचे समय में धागाकरण कार्य करने से उसे रोजगार का साधन मिल गया है जिससे वह स्वावलंबी बनी है। आज धागाकरण कार्य से श्रीमती कमला प्रतिमाह 5 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही है। इस आय को वह अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में खर्च कर रही है।

श्रीमती कमला साव पिछले दो वर्षो से मोटराइज्ड रीलिंग मशीन पर कोसा धागा निकालने का कार्य कर रही है। वर्ष 2018-19 में रेशम विभाग, रायगढ़ के द्वारा स्थानीय स्तर पर समूह बनाकर महिलाओं को टसर धागा निकालने का प्रशिक्षण दिया गया। धागाकरण प्रशिक्षण योजना से प्रेरित होकर वर्ष 2018 से वे कोसा धागाकरण कार्य से जुड़ी। रेशम विभाग के माध्यम से कोसा धागा निकालने के कार्य हेतु मोटराइज्ड रीलिंग मशीन उसे प्रदाय किया गया। तब से वे लगातार कोसा धागा निकालने के कार्य में लगी हुई है। प्रतिमाह 5 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही है। आज तसर धागाकरण की आमदनी से श्रीमती कमला साव लगभग 60 हजार रुपये बैंक में जमा कर चुकी है। आज वे अपने दोनों बच्चों को बनोरा आश्रम में पढ़ाई भी करा रही है। वे धागाकरण कार्य से काफी खुश है और इससे निरंतर जुड़े रहना चाहती है। उन्होंने रेशम विभाग की इस योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

एसपी के निर्देशन पर थाना प्रभारियों ने की बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच

» बैंक प्रबंधन को दिये गये सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त करने के साथ कोविड नियमों का पालन कराने के निर्देश

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक रायगढ़ अभिषेक मीणा द्वारा जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को उनके क्षेत्र के बैंकों की सुरक्षा जांच कर प्रबंधन को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश देने निर्देशित किया गया जिसके पालन में आज दिनांक 07.01.2022 को सभी थाना, चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र के बैंकों की औचक जांच किया गया।

प्रभारियों द्वारा बैंक प्रबंधक से मिलकर सुरक्षा उपकरणों, सायरन और सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। पुलिस अधिकारियों द्वारा सायरन चेक करने के साथ सीसीटीवी फुटेज के बैकअप चेक किये। प्रबंधकों को बैंक के अंदर तथा सामने एवं परिसर को कवर करते हुए कैमरे लगाने के निर्देश दिये गये। बैंक के सुरक्षाकर्मी को बैंक के मुख्य गेट पर ड्यूटी करने तथा बैंक के आसपास अनावश्यक खड़े संदिग्ध व्यक्तियों को हटाने कहा गया। इस दौरान पुलिस टीमें बैंकों के आसपास अनावश्यक खड़े लोगों से पूछताछ कर दोबारा देखें जाने पर प्रतिबंधक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। पुलिस अधिकारियों द्वारा बैंक की सुरक्षा जांच दौरान बैंक में प्रवेश एवं निकासी के मार्ग का जांच कर प्रबंधक को सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं।

पुलिस अधिकारियों द्वारा बैंक में लेन-देन के लिये आये लोगों को मास्क एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने तथा बैंक एवं एटीएम से रूपये आहरण के समय, ॠरू पिन अजान व्यक्ति को नहीं बताने की हिदायत दी गई और बताया गया कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति पर शक होने पर 112 नंबर व स्थानीय थाना प्रभारी के नंबर पर कॉल कर सूचना देने बताया गया।

एडिशनल एसपी लखन पटले द्वारा सभी थाना/चौकी प्रभारियों को बैंक लेन-देन के समय बैंक/एटीएम आसपास नियमित पेट्रोलिंग कराने एवं रात्रि गस्त दौरान समय-समय पर उनके क्षेत्र के बैंक, एटीएम, सराफा दुकान, मोबाइल शॉप की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं।

वाहन चेकिंग दौरान गांजा की तस्करी करते दो किशोर बालक पकड़ाए

» आरोपियों से 10 किलो अवैध गांजा व मोटर सायकल जब्त

रायगढ़। ओडिशा के रास्ते से हो रही अवैध गांजा की तस्करी रोकने एसपी रायगढ़ अभिषेक मीणा के प्रयास निरंतर सफल हो रहे हैं। राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय से गांजा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के मिले दिशा निर्देशन पर एसपी अभिषेक मीणा द्वारा छत्तीसगढ़ सीमा से लगने वाले ओडिसा एवं छ.ग. राज्य के पुलिस अधीक्षकों की बैठक लेकर आपसी समन्वय के साथ गांजे की अवैध तस्करी पर रोक लगाने विभिन्न मुद्दो पर चर्चा की गई। साथ ही एसपी मीणा द्वारा थाना प्रभारियों को निरंतर ओडिशा पुलिस के अधिकारियों से सम्पर्क में रहने तथा बार्डर के आसपास मुखबिर सक्रिय कर सूचनाओं पर कार्रवाई करने के दिशा निर्देशन दिये गये जिन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सप्ताह के भीतर थाना सरिया के बाद बरमकेला पुलिस की चौंक-चौबंध व्यवस्था के बीच दिनांक 06.01.2022 को गांजे की अवैध तस्करी में लगे दो किशोरों को बरमकेला पुलिस द्वारा पकड़ा गया है, जिनसे 10 किलो गांजा और परिवहन में प्रयुक्त वाहन की जप्ती की गई है। विधि के साथ संघर्षरत दोनों आरोपित बालकों पर थाना बरमकेला में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

दिनांक 06.01.2022 को थाना प्रभारी बरमकेला निरीक्षक डी.के. मारकण्डेय नेतृत्व में स्टाफ द्वारा झनकपुर चौक पर वाहन चेकिंग किया जा रहा था। इसी दरम्यान नावापारा उडीसा तरफ से एक सिल्वर लाल रंग मोटर सायकल हीरो एचएफ डिलक्स क्रंमांक सीजी11 एएस 4182 में आ रहे दो लड़कों को रोककर स्टाफ द्वारा पूछताछ किया गया और उनके पास रखे थैला की विधिवत तलाशी ली गई। थैला के अंदर खाखी रंग के प्लास्टिक टेप से लपेटा हुआ 05 पैकेट मादक पदार्थ गांजे के सामान सामाग्री पाये जाने पर गवाहों के समक्ष पहचान की गई जो मादक पदार्थ गांजा का होना पाया गया जिसका वजन 10 किलो गांजा कीमती करीबन 50,000 रूपये का पाया गया। गांजा परिवहन कर रहे लड़कों के पहचान पत्र देखे जाने पर दोनों नाबालिग पाये गए, पूछताछ में ओडिशा से गांजा लेकर आना बताये , विधि के साथ संघर्षरत दो बालकों पर थाना बरमकेला में धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई कर उनके परिजनों को सूचना परिजन दी गई, जिन्हें आज न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

कार्रवाई में निरीक्षक डीके मारकण्डेय , सहायक उप निरीक्षक लखपति प्रधान, आरक्षक मिनकेतन पटेल, पुरूषोत्तम खडिया, शैलेन्द्र कुमार पैंकरा, गिरधारी लाल खडिया की अहम भूमिका रही है।

पशुपालन व मछली पालन के लिए बनाए जा रहे किसान क्रेडिट कार्ड

रायगढ़ । शासन द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पशुपालन एवं मछली पालन हेतु ऋण प्रदाय किया जा रहा है। इसके लिए पशुधन विकास विभाग एवं ग्राम पंचायतों के समन्वय से पशुपालन के लिए के.सी.सी.प्रकरण तैयार किये जा रहे हैं। पूरे जिले को 9 सेक्टर में विभाजित कर अलग-अलग तिथियों में ग्राम पंचायतों में केसीसी बनाने का कार्य किया जा रहा है। पशुपालन के.सी.सी. के तहत् दुधारू गौपालन के लिए 25 हजार 750 रुपये प्रति दुधारू गाय, दुधारू भैंस पालन के लिए 31 हजार 250 रुपये प्रति दुधारू भैंस, बकरी पालन के लिए 2 हजार 628 रुपये प्रति बकरी, सूकर पालन के लिए 13 हजार 160 रुपये प्रति सूकर एवं मुर्गी पालन के लिए 100 रुपये रुपये प्रति मुर्गी का प्रावधान है। इसी प्रकार मछली पालन के लिए एक हेक्टेयर तालाब के मछली बीज और दाना के लिए 01 लाख 50 हजार रुपये का प्रावधान है। पशुपालक पशुपालन एवं मछली पालन के.सी.सी.ऋण के लिए नजदीकी पशु चिकित्सा संस्था एवं मछली पालन संस्था में संपर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

कृत्रिम गर्भाधान से बढ़ा हीरालाल का डेयरी व्यवसाय

» गर्भाधान से पूर्व बेचते थे 15-20 लीटर दुध, अब उत्पादन बढ़कर हो गया है 200 लीटर प्रतिदिन

रायगढ़ । कृत्रिम गर्भाधान तकनीक पशुपालकों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा है। कृत्रिम गर्भाधान तकनीक के माध्यम से जहां पशुपालकों को देशी गाय और भैंस से उन्नत नस्ल के पशुधन प्राप्त रहे, साथ ही उनके दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होने से उनकी आय भी बढ़ रही है।

विकासखण्ड तमनार के ग्राम बासनपाली निवासी पशुपालक हीरालाल पटेल पिछले 25 वर्षो से पशुपालन और कृषि कार्य कर रहे है। पटेल ने सर्वप्रथम वर्ष 1996 में एक देशी भैंस व 3 जर्सी क्रास गाय से दुग्ध व्यवसाय प्रारंभ किया था। इसके लिए पटेल को स्वयं व दो मजदूर के साथ गाय व भैंस को गाभिन कराने पशु चिकित्सालय तमनार में आकर चिकित्सालय में उपलब्ध सांडों द्वारा क्रास करवाना पड़ता था। सांड द्वारा गाभिन होने की संभावना कम होने के कारण पटेल को बार-बार आना पड़ता था। जिससे समय और मेहनत अधिक लगता था। इसके अलावा दुग्ध उत्पादन कम होने से स्वयं ही बेचना पड़ता था, लेकिन आज पटेल स्वयं का डेयरी व्यवसाय संचालित कर रहे है। इसका पूरा श्रेय वे कृत्रिम गर्भाधान तकनीक को देते है। पटेल कहते है कृत्रिम गर्भाधान तकनीक का उपयोग करने से उनकी डेयरी में आज 11 उन्नत नस्ल की गाय, 2 सांड़ व 11 बछड़े व बछियां हैं। गायों के कृत्रिम गर्भाधान के पूर्व जहां पटेल मात्र 15-20 लीटर दूध बेचते थे वहीं अब कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न गायों से प्रतिदिन 200 लीटर दूध बेच रहे हैं व अच्छा मुनाफा भी कमा रहे हैं। उनका कहना है कि यह फायदा मात्र कृत्रिम गर्भाधान की तकनीक अपनाने से ही संभव हो पाया है।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाये आर.एच पाण्डेय बताते है कि वर्ष 2000 से कृत्रिम गर्भाधान कार्य प्रारम्भ होने से घर पहुंच सेवा के अंतर्गत एच.एफ.,जर्सी, गिर, साहीवाल नस्ल के वीर्य का उपयोग करके हीरालाल पटेल की गायों से क्रास करवाकर मनचाही नस्ल की बछिया/बछड़े का जन्म हुआ। हीरालाल पटेल के घर में जन्म हुये बछिया का पशु चिकित्सालय तमनार के अधिकारी/ कर्मचारियों द्वारा दी गई तकनीकी सलाह द्वारा व वैज्ञानिक विधियों द्वारा पालन-पोषण किये जाने से गर्भधारण की उम्र जल्दी प्राप्त करने में सफलता हुई। जिससे उनके उन्नत पशुधन में वृद्धि हुई है जिससे उनकी आय भी बढ़ी है।

पेंडिग ऋण प्रकरणों का बैंक जल्द करें निराकरण : कलेक्टर

» एनआरएलएम, एनयूएलएम, एसटी, एससी और अंत्योदय स्वरोजगार के ऋण प्रकरणों के लंबित होने पर जताई नाराजगी

» जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुनरीक्षण समिति की बैठक

रायगढ़ । ग्रामीण अजीविका मिशन, शहरी आजीविका मिशन, एसटी-एससी एवं अंत्योदय जैसे लघु ऋण योजनाओं से संबंधित प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए। ऋण प्राप्त होने से आजीविका का मार्ग खुलता है एवं हितग्राही को रोजगार प्राप्त होता है, जिससे उनके जीवन स्तर में बदलाव आता है। अंत्योदय स्वरोजगार योजनाएं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के लिए बनाई गई योजना है, अतः ऐसे ऋण प्रकरण किसी भी बैंक में लंबित नही रहने चाहिए। उक्त बाते आज कलेक्टेरेट सभा कक्ष में आयोजित डीएलसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक में कलेक्टर भीम सिंह ने कही।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने शासन की योजनाओं से संबंधित बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों की समीक्षा की। इस दौरान लीड बैंक मैनेजर द्वारा साख जमा अनुपात, प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम पर जमा 40 प्रतिशत से कम होने पर कलेक्टर सिंह ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे अग्रिम मानक लक्ष्य को पूरा करें। कलेक्टर सिंह ने इस दौरान प्रत्यक्ष कृषि, आर्थिक रूप से कमजोर, महिलाओं, अल्प संख्यक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग, एनयूएलएम, अंत्योदय स्वरोजगार से जुड़े ऋण प्रकरणों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। उन्होंने बैंको द्वारा प्रदान किए गए कृषि ऋण की संख्या और राशि की समीक्षा करते हुए बैकों को निर्देशित किया कि ऋण संख्या में वृद्धि की जाए तथा लक्ष्य को पूर्ण किया जाए। इस दौरान उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर, महिला और एसटी-एससी वर्ग के ऋण वितरण के प्रकरणों के लंबित होने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा इस प्रकार की योजना अंतिम छोर के व्यक्ति के आर्थिक विकास के लिए बनायी जाती है। इसलिए ऐसे प्रकरणों को अविलंब निराकृत किया जाए।

कलेक्टर सिंह ने बैंकों द्वारा निर्मित केसीसी पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बैंकवार केसीसी की संख्या की समीक्षा की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास पहले से किसी योजना से संबंध में केसीसी है, तो उन्हे अन्य योजना से संबंधित केसीसी के लिए पात्रता हो तो उससे वंचित नही किया जा सकता। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने अपने विभागों द्वारा बैंकों को भेजे गए प्रकरण, स्वीकृति एवं लंबित प्रकरणों की जानकारी दी। कलेक्टर सिंह ने कहा कि जो प्रकरण स्वीकृति नहीं हो पा रहे है, उसे अविलंब विभागीय अधिकारी को कारणों सहित वापस किया जाए। जिससे प्रकरण बैंक में लंबित न रहे और उस प्रकरण पर यदि आगे कुछ कार्यवाही विभागीय स्तर पर संभव हो तो वह की जा सके। बैठक में सहायक संचालक जिला पंचायत, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, लीड बैक मैंनेजर, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य एवं जिले के सभी बैंक के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480